

स्टार पॉइंट वाले पैराग्राफ प्रीलमिन्स एग्जाम के ललए अति महत्वपूर्ण हैं

Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

ग्लोबल वार्मिंग

➤ हालिया संदर्भ

***वर्ष 2024 में 105 ग्लोबल वार्मिंग सीमा पार करने की पुष्टि हो गई है। 2024 ऐसा करने वाला पहला वर्ष बन गया है।

➤ मुख्य बातें:-

- ***यूरोपीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र (ECMWF) द्वारा संचालित "कॉपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा" के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में पृथ्वी की सतह का वार्षिक औसत तापमान पूर्व औद्योगिक युग (1850-1900 की अवधि के औसत तापमान) के तापमान से 1.6°C ज्यादा था।
- ***विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने निष्कर्ष निकाल कि 2024 पूर्व औद्योगिक-युग के औसत तापमान से 1.55°C ज्यादा गर्म था।
- ECMWF एवं विश्व मौसम विज्ञान संगठन 0 के सभी विशिष्ट केन्द्रों ने 2024 को अब तक सबसे गर्म वर्ष बताया ।

स्टार पॉइंट वाले पैराग्राफ प्रीललम्स एग्जाम के ललए अति महत्वपूर्ण हैं



➤ 5 दशकों क हाल-

1970 के बाद से दुनिया में औसत तापमान लगातार बढ़ते जा रहे, जो 21वीं सदी में और तेजी से बढ़ा।

**वर्ष

पूर्व औद्योगिक युग से

ज्यादा औसत तापमान वृद्धि

1970

0.25°C

1980

0.55°C

स्टार पॉइंट वाले पैराग्राफ प्रीललम्स एग्जाम के ललए अति महत्वपूर्ण हैं

1990

0.70°C

2000

0.68°C

2006

0.80°C

2010

1°C

2016

1.25°C

2023

1.45°C



➤ तय-सीमा:-

- 1.5°C तापमान बढोतरी की जो सीमा तय की गई है, वह कोई विशिष्ट वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर नहीं है।
- विज्ञान केवल इतना कहता है कि किक जैसे-जैसे ग्लोबल वार्मिंग बढ़ता जाएगा, जलवायु परिवर्तन का प्रभाव ज्यादा गंभीर एवं ज्यादा सतत होगा।
- 2024 में 1.5°C तापमान वृद्धि का तात्पर्य यह नहीं है कि 2015 का पेरिस समझौता यंग हो गया है क्योंकि इसके लक्ष्य का संबंध

स्टार पॉइंट वाले पैराग्राफ प्रीललम्स एग्जाम के ललए अति महत्वपूर्ण हैं

- दो-तीन दशकों के दीर्घकालिक तापमान प्रवृत्तियों से संबंधित है न कि वार्षिक या मासिक।
- तापमान-वृद्धि सीमा का उल्लंघन आश्चर्यजनक एवं नई बात नहीं है क्योंकि WMO पिछले 2 वर्षों से कह रहा था कि 2027 तक इस सीमा का पार होना तय है।
 - चूंकि ऐसी संभावना पूर्व से ही जताई जा रही थी, इसलिए वैश्विक स्तर पर इस समस्या से निपटने के लिए किसी विशिष्ट प्रतिक्रिया शुरू किए जाने की संभावना नहीं है, जो चिंतित करने वाला है।

➤ गहराता संकट:-

- वैश्विक स्तर पर ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन लगातार बढ़ते जा रहा है, जो यह तय करता है कि 2030 क उत्सर्जन कटौती लक्ष्यों को पूरा किया जाना भी संभव नहीं है।
- ***वर्तमान स्थिति में तापमान वृद्धि दर प्रति दशक 0.2°C से ज्यादा है जो 2030 के दशक के अंत तक पेरिस समझौते के 1.5°C लक्ष्य के उल्लंघन के लिए काफी है।

**2023 एवं 2024 में प्रतिस्पर्धा-

- इससे पूर्व 2023 सबसे गर्म वर्ष रिकार्ड किया गया था, जिसे पीछे छोड़ते हुए 2024 सबसे गर्म वर्ष बन गया है।
- 2023 पूर्व-औद्योगिक युग के स्तर से 1.45°C गर्म था।
- इन दोनों वर्षों में विश्व भर में कई रिकॉर्ड तोड़ गर्म दिनों को रिकॉर्ड किया गया।

स्टार पॉइंट वाले पैराग्राफ प्रीललम्स एग्जाम के ललए अति महत्वपूर्ण हैं

- जुलाई 2023 से दिसंबर 2024 तक (जुलाई 2024 को छोड़कर) प्रत्येक महीने का तापमान पूर्व औद्योगिक-युग के तापमान से 1.5°C से ज्यादा रहा।

➤ कारण में भिन्नता:-

- अत्यधिक गर्म 2023 एवं 2024 के कारण भिन्न है, जो ज्यादा चिंतनीय बनाता है।
- इससे पूर्व 2016 सबसे गर्म वर्ष था, जिसका मुख्य कारण मजबूत एल-नीनो था।

Note:- एल-नीनो पूर्वी प्रशांत महासागर में होने वाली एक आवधिक घटना(गर्म समुद्री लहरें/महासागरीय धारा) है, जिसका वैश्विक मौसम पर विस्तृत प्रभाव पड़ता है।

Note:-एल-नीनो वैश्विक तापन में वृद्धि करता है, जबकि इसके विपरीत ला-नीना की घटना वैश्विक शीतलन का कारण बनता है।

- दरअसल 2023 एवं 2024 भी एल-नीनो प्रभावित था लेकिन यह 2016 की तुलना में कुछ प्रभावशाली था।

➤ प्रमुख कारण:-

- जनवरी 2022 में दक्षिणी प्रशांत महासागर में टोंगा के नजदीक पानी के नीचे ज्वालामुखी विस्फोट ने 2023-24 में तापमान के वृद्धि में योगदान दिया, साथ ही 2024 में शिपिंग उद्योग से सल्फर-डाइ-ऑक्साइड का उत्सर्जन तुलनात्मक रूप से कम हुआ, जिसने गर्मी को बढ़ाने में योगदान दिया।

स्टार पॉइंट वाले पैराग्राफ प्रीलमिन्स एग्जाम के ललए अति महत्वपूर्ण हैं

Note:-वायुमंडल में मौजूद सल्फर-डाइ-ऑक्साइड कुछ मात्रा में सौर विकिरण को परावर्तित कर देता है, जिससे पृथ्वी का सतह कम गर्म होता है।

- असमान्य गर्मी का एक अन्य कारण नियमित 11 वर्षीय सौर चक्र भी था, जो 2024 में अधिकतम स्तर पर था।
- सौर-चक्र के अधिकतम स्तर के दौरान सूरज से पृथ्वी तक पहुँचने वाली सौर विकिरण की मात्रा अधिकतम होती है।

➤ भविष्य-

- 2023 एवं 2024 की तरह 2025 गर्म नहीं होगा लेकिन यह बहुत ठंडा भी नहीं रहेगा।
- एक पूर्वानुमान के अनुसार 2025, 2024 एवं 2023 के बाद तीसरा सबसे गर्म वर्ष रहेगा।
- 2024 में जारी WMO के एक रिपोर्ट के अनुसार 2028 से पहले कोई एक वर्ष होगा, जिसका तापमान पूर्व- औद्योगिक युग के औसत तापमान से 1.9°C ज्यादा होगा।
- साथ ही रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि 2028 तक 5 वर्ष के औसत वार्षिक तापमान 1.5°C की सीमा को पार करने की संभावना 50% है।

स्टार पॉइंट वाले पैराग्राफ प्रीलमिन्स एग्जाम के ललए अति महत्वपूर्ण हैं

प्रश्न 1. निम्न में से सत्य कथन चुने-

1. एल-नीनो वैश्विक शीतलन, जबकि ला-नीना वैश्विक तापन में योगदान देता है।
 2. विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार 2023 एवं 2024 समान रूप से गर्म रहे हैं।
 3. सल्फर-डाइ-ऑक्साइड कुछ मात्रा में सौर विकिरण को परावर्तित करने में सक्षम है।
 4. नियमित सौर-चक्र 11 वर्ष का होता है।
- A. केवल 1, 2 एवं 4
B. केवल 3 एवं 4
C. केवल 1, 2 एवं 3
D. केवल 2, 3 एवं 4

Answer-B

मुख्य परीक्षा- समस्त वैश्विक प्रयासों के बावजूद ग्लोबल वार्मिंग की प्रभावशीलता बढ़ते जा रही है। ऐसी स्थिति से निपटने में पर्यावरण के लिए जीवन शैली कहाँ तक सहयोगी हो सकता है?

स्टार पॉइंट वाले पैराग्राफ प्रीलमिन्स एग्जाम के ललए अति महत्वपूर्ण हैं

हम आपको रिजल्ट देने आये हैं.

- 1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.**
- 2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹**
- 3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹**
- 4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹**
- 5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹**

कोर्स या Test Series के लिए

WhatsApp कीजिये

9235313184, 9235446806

